INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Class work
Revision Worksheet No: 4	Topic: - अर्थग्रहण- पद्यांश, गद्यांश	**Note: Pl File in portfolio**

प्रश्न-1 दिए गए पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

स्वर्ण-शृंखला के बंधन में , अपनी गति, उड़ान सब भूले,

बस सपनों में देख रहे हैं , तरु की फुनगी पर के झूले।

ऐसे थे अरमान कि उड़ते , नीले नभ की सीमा पाने,

लाल किरण-सी चोंच खोल , चुगते तारक-अनार के दाने।

प्रश्न-1 पिंजरे में पक्षी क्या-क्या भूल जाते हैं?

उत्तर- ----------

प्रश्न 2 पक्षी क्या सपनों में क्या देखते हैं?

उत्तर----------

प्रश्न 3 'फुनगी' शब्द का क्या अर्थ होता है?

उत्तर----------

प्रश्न 4 पिंजरे में कैदी पक्षियों के साथ क्या अरमान थे?

उत्तर----------

प्रश्न 5 कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

उत्तर----------

प्रश्न 6 पक्षी क्या चुगना चाहते हैं?

उत्तर----------

प्रश्न-2 दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

विजय बाबू एक समाचार-पत्र पढ़ रहे थे। उसी तरह उसे लिए हुए वे दरवाज़े पर आकर मुरलीवाले से बोले-"क्यों भई, किस तरह देते हो मुरली?"

किसी की टोपी गली में गिर पड़ी। किसी का जूता पार्क में ही छूट गया और किसी की सोथनी (पाजामा) ही ढीली होकर लटक आई है। इस तरह दौड़ते-हाँफ़ते हुए बच्चों का झुंड आ पहुँचा। एक स्वर से सब बोल उठे-"अम बी लेंदे मुल्ली और अम वी लेंदे मुल्ली ।"

प्रश्न-1 समाचार पत्र कौन पढ़ रहे थे?

उत्तर----------

प्रश्न-2 दरवाज़े पर आकर किसने किसे क्या कहा?

उत्तर----------

प्रश्न-3 बच्चों का पार्क में क्या-क्या छूट गया?

उत्तर----------

प्रश्न-4 हाँफते-भागते मुरलीवाले के पास किसका का झुंड पहुँच गया?

उत्तर----------

प्रश्न-5 उपरोक्त गद्यांश के रचयिता कौन हैं?

उत्तर----------

****